CRIME BS इंडिया आपतक आपकी आवाज़ NEWS

साप्ताहिक
आवाज भंडारा

मुख्य संपादक : नौशिया खान

कार्यकारी संपादक : शुभम देशमुख

● वर्ष -३ ●अंक - ५२ ●बुधवार दि.१६ अक्टूबर २०२४ ●RNI No.-MAHBIL/2021/80357 ●पृष्ठ -४ मुल्य -२ रू. ●Gmail-awazbhandara@gmail.com

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को होगी वोटिंग, 23 नवंबर को आएंगे नतीजे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : चुनावी राज्य महाराष्ट्र में आज सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं. चुनाव आयोग ने मंगलवार शाम 3.30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुनावी तारीखों का ऐलान किया. महाराष्ट्र की सभी 288 सीटों पर एक ही चरण में वोट डाले जाएंगे.

महाराष्ट्र में फिलहाल एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महायुति सरकार है. सत्ताधारी महायुति में एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के साथ ही भारतीय जनता पार्टी (इखढ) भी शामिल है. महाराष्ट्र में चुनावी तारीख का ऐलान हो गया है. राज्य में सभी 288 सीटों पर एक चरण में ही मतदान होगा. महाराष्ट्र में 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे और 23 नवंबर को मतगणना होगी. चुनाव आयोग ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। चुनाव आयोग ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'महाराष्ट्र में महिला बूथ बनाए जाएंगे. राज्य में कुल 9 करोड़ 63 लाख वोटर हैं और कुल 1 लाख 186 पोलिंग बूथ हैं. सभी मतदाता बूथों पर सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी.'

महायुति के सामने ये चुनौती

दरअसल, महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर को पूरा हो रहा है. ऐसे में उम्मीद की जा रही थी कि राज्य के चुनावी नतीजे इससे पहले ही आ जाएंगे. महाराष्ट्र चुनाव में सीएम शिंदे के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के सामने सरकार रिपीट कराने की चुनौती है.

BJP और MVA का क्या है दावा?

बीजेपी ने चुनाव कार्यक्रम के ऐलान से पहले यह दावा किया है कि सूबे में प्रो-इनकम्बेंसी के वोट पड़ेंगे. वहीं, विपक्षी महा विकास अघाड़ी का दावा है कि सरकार के खिलाफ माहौल है. एमवीए की कोशिश होगी कि इस विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर सरकार बनाई जाए और उस दर्द पर मरहम लगाया जाए, जो एकनाथ शिंदे की अगुवाई में शिवसेना विधायकों की बगावत, अजित पवार की अगुवाई में एनसीपी की बगावत से गठबंधन को मिला.

45 के जादुई आंकड़े की जरूरत

महाराष्ट्र में विधानसभा की स्ट्रेंथ 288 सदस्यों की है. महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए जरूरी जादुई आंकड़ा 145 विधानसभा सीटों का है. फुल स्ट्रेंथ विधानसभा में जिस दल या गठबंधन के पास 145 या इससे अधिक की स्ट्रेंथ होगी, सूबे में उसकी ही सरकार बनेगी.

महाराष्ट्र की सियासत में 5 साल में क्या हुआ?

महाराष्ट्र के पिछले चुनाव में भी दो गठबंधनों की लड़ाई थी, यही लड़ाई इस बार भी है लेकिन गठबंधनों का रूप बदल चुका है. 2019 के चुनाव में शिवसेना, बीजेपी की अगुवाई वाले गठबंधन में शामिल थी और एनसीपी का कांग्रेस से दोस्ताना था. इस बार के चुनाव में शिवसेना और एनसीपी, दोनों ही एक साथ महायुति में शामिल हैं. हां, फर्क इतना है कि पिछले चुनाव में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली संयुक्त शिवसेना महायुति में थी, इस बार एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना इस गठबंधन में है. एनसीपी महायुति में है लेकिन शरद पवार महाविकास अघाड़ी में हैं. उद्धव ठाकरे और शरद पवार, दोनों ही कद्दावर नेता अपनी-अपनी पार्टियों में बगावत के बाद नाम-निशान गंवा नई पार्टी बना चुके हैं और नए नाम-निशान के साथ दोनों नेताओं का ये पहला महाराष्ट्र चुनाव होगा.

वाघमारे के राकां प्रवेश से पदाधिकारी नाराज पार्टी को भुगतना पड़ सकता है भुगतान

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : शिवसेना, बीआरएस के बाद पूर्व विधायक चरण वाघमारे द्वारा मुंबई जाकर राकांपा (शरद पवार) में अपने सहयोगियों के साथ प्रवेश करने से राकांपा के निष्ठावान पदाधिकारी एवं कार्यकताओं में नाराजगी दिखाई दे रही है. यदि उन्हें तुमसर मोहाड़ी विधानसभा क्षेत्र से पार्टी की टिकट बहाल की गई तो पार्टी निष्ठावानों के गुस्से का गुबारा फट सकता है है और इसका भुगतान पार्टी को भुगतना पड़ सकता है. अभी महाविकास आघाड़ी में टिकटों के बंटवारे की अधिकृत घोषणा नहीं होने से आघाड़ी में शामिल कांग्रेस के पदाधिकारी भी क्षेत्र की सीट कांग्रेस के कोटे में आने की आस लगा बैठे है.

कांग्रेस के पूर्व विधायक अनिल बावनकर, जिप सभापति रमेश पारधी, प्रमोद तितिरमारे, शिशुपाल पटले द्वारा पार्टी के राज्य स्तरीय पदाधिकारियों से संपर्क कर यह सीट कांग्रेस के कोटे में ही देने के लिए अनुरोध कर रहे है. अब देखना यह है कि, पार्टी हाईकमान निष्ठावान कार्यकताओं का सम्मान करती है अथवा उन्हें अनदेखा करती है. यहां कांग्रेस के पारधी एवं बावनकर द्वारा गांव गांव के बिखरे कांग्रेसी कार्यकताओं में जान फूंकने का कार्य कर उन्हे आगामी चुनाव के लिए तैयार किया गया.

पार्टियों पर से उठेगा कार्यकताओं का विश्वास

राज्य में राकांपा के 2 फाड़ होने के बाद सांसद प्रफुल पटेल के जिले में शरद पवार का नाम लेने वाले कोई पदाधिकारी अथवा कार्यकर्ता नहीं थे, तब क्षेत्र के किरण अतकरी, ठाकचंद मुंगुसमारे, एकनाथ फेंडर, नरेश ईश्वरकर ने पार्टी का दामन थाम कर गांव-गांव में कार्यकताओं को जोड़कर जिला एवं तहसील स्तर पर पार्टी के प्रत्येक इकाइयों की स्थापना की गई थी, यही नहीं तो उन्होंने मजबूती के साथ बूथ कमेटियां तैयार की गई थी, उन्हे पूर्व सांसद मधुकर कुकड़े ने भी सहयोग किया था, लेकिन ऐन वक्त पर यदि पार्टी द्वारा उनकी ओर अनदेखी की गई तो भविष्य में कार्यकताओं का पार्टियों पर से विश्वास उठ जाएगा.

नाना भाऊ तुम्हारी कांग्रेस में क्या हो रहा है?

स्थानीय पदाधीकारियों द्वारा पक्ष की अनदेखी....

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : साकोली तहसील में कांग्रेस पदाधिकारियों का अपने पक्ष की और अनदेखी करने का पार्टी के कुछ कार्यकताओं का कहना है कि साकोली तालुक में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी अपनी पार्टी के प्रति उदासीन हैं, आगामी विधानसभा चुनाव में वे पार्टी को कितना फायदा पहुंचाएंगे यह तो वक्त ही बताएगा. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के पास पूरे राज्य की जिम्मेदारी है. ऐसे में उन्हें इस विधानसभा क्षेत्र में आने का समय नहीं मिलता, लेकिन फिर भी वे लोगों से मिलने के लिए समय निकाल ही लेते हैं।

लेकिन जिनके कंधों पर उन्होंने इस तालुके की जिम्मेदारी सौंपी है, वे पद लेकर ही अपनी रोटी सेकते नजर आ रहे हैं. कार्यकताओं का कहना है कि कांग्रेस के तालुक अध्यक्ष मिलते नहीं, बैठक नहीं करते, कोई निर्देश नहीं देते, गांवों का दौरा नहीं करते. कई लोगों को यह भी नहीं पता कि तालुका प्रमुख कौन है? इसके अलावा साकोली पंचायत समिति भी कांग्रेस के कब्जे में है. लेकिन यहां के सभापति, उपसभापति और सदस्य सभी योजना शून्य हैं. लोगों को उनसे कोई अपेक्षा नहीं है. उन्होंने आज तक जनता का काम नहीं किया, लेकिन तालुक में हर जगह रोना-धोना है. बाकी बचे पदाधिकारी सिर्फ ठेकेदारी के काम में व्यस्त हैं. फिर जनता का काम कौन करेगा?? इन पदाधिकारियों ने कितने लोगों का काम किया है? इसका उनके पास कोई हिसाब-किताब नहीं है. अगर कोई उनके पास जाता है तो वे नानाभाऊ की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आने वाले चुनाव में कितने लोग उनके साथ जुड़े हैं, ये तो बाद में ही पता चलेगा. वहीं दूसरी ओर बीजेपी का हर कार्यकर्ता बड़ी ऊर्जा के साथ लोगों के साथ काम करता नजर आ रहा है. बीजेपी की हर टीम, नेता, कार्यकर्ता, पदाधिकारी गांव-गांव जाकर लोगों से मिल रहे हैं, हर दिन कोई न कोई किसी न किसी गांव में है. हालाँकि, कांग्रेस पदाधिकारी नानाभाऊ पर निर्भर हैं।

उन्हें अपनी कोई ताकत नजर नहीं आती. लेकिन जब नानाभाऊ आते हैं तो भीड़ बहुत होती है. तो नाना को उस पर बहुत भरोसा होगा. दूसरी ओर, कहा जाता है कि नाना ने जिन्हें जनता का प्रशासनिक कार्य करने का अधिकार दिया है, वे यहां नजर नहीं आते. इसलिए अधिकारी भी स्थानीय पदाधिकारियों को नजरअंदाज कर जनता का काम नहीं करते हैं.

नाना भाऊ को एक बार जनता दरबार ले जाकर देखना चाहिए. जनता बताएगी कि किसने किसका काम किया है या नहीं। अब विधानसभा चुनाव का बिगुल भी बज गया है।आचार संहिता लग गई है। अब कुछ कर नहीं सकते। उससे पहले लोगों के दिलों में व्याप्त पीड़ा को पहचान कर देख लेना चाहिए था। कांग्रेस के किस पद पर कौन है, इसकी पहचान जनता के सामने होनी चाहिए। क्या लोग सचमुच उसे जानते हैं? इस पर गौर किया जाएगा.

बिजली के तार की चपेट में आने से भैंस की मौत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : बिजली के तार छूने से भैंस की मौत की घटना आज रविवार 13 अक्टूबर की मोहाड़ी तहसील के चिचखेड़ा परिसर में पटी. मोहाड़ी तहसील में दोपहर करीम 3 बजे अचानक बारिश के साथ तेज तूफान आया.

तूफान के कारण पोल से विद्युत लाइन टूट गई. सखेत में चर रही भैस इस विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से होने पर करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई. इससे पशुपालन को काफी नुकरान हुआ है. इससे पहले भी डोंगरगांव परिसर में बिजली लाइन टूटने से तीन भैंसों की मौत हो गई थी. पीड़ित पशुपालक ने विद्युत वितरण विभाग से मुआवजे की मांग की है.

रेत चोरों पर बड़ी कार्रवाई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

पवनी : अवैध रेती ढोने वाले 7 वाहनों पर पवनी पुलिस ने छापा मारकर जब्ती की कार्रवाई की है. यह कार्रवाई भोजापुर-रेवनी पैदल मार्ग पर मोक्षधाम के पास की गई. इसमें बीना नंबर के ट्रैक्टर, ट्राली और रेती कुल मिलाकर 40,10,000 रुपये का माल जब्त किया गया.

इस कार्रवाई से रेती तस्करों में दहशत का माहौल निर्माण हो गया है. फिलहाल जिले के रेती घाटों का नीलाम नहीं हुआ है. फिर भी पवनी तहसील में चोरी-छिपे तरीके से रेती की तश्करी होने की खबर पवनी पुलिस को मिली.

पेट्रोलिंग के समय सुबह 4 बजे के दौरान अवैध रूप से रेती की ढुलाई करते हुए वाहनों को पकड़ने में पुलिस को सफलता मिली. इस कार्रवाई में 6 ट्रैक्टर और 1 लोडर पकड़ में आया. इस घटना का पंचनामा कर जब्ती की कार्रवाई की गई.

जुआ अड्डे पर छापा, 5 अरेस्ट

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : पुलिस ने एक जुआ अड्डे पर छापा मारकर 5 लोगों को दबोच लिया. पुलिस ने 52 तासपत्ती, 4 मोबाइल समेत 44,030 रुपये का माल बरामद किया. पकड़े गए आरोपियों में इंदिरा गांधी वॉर्ड निवासी उमेश सोनकुसरे, सानू उर्फ किशन शेंद्रे, रोशन येलने, कुणाल शेंद्रे और निखिल नेपाल का समावेश है.

मप्र से तुमसर में आ रहे दूध की गुणवत्ता पर सवाल?

एक लाख लीटर दूध प्रतिदिन नागपुर भेजा जा रहा, नियमित नहीं होती दूध की जांच

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : कुछ वर्षों से मध्यप्रदेश से तुमसर लाया जा रहा दूध नागपुर बिक्री के लिए भेजा जा रहा है। लगभग एक लाख लीटर दूध प्रतिदिन नागपुर भेजा जा रहा है। किंतु तुमसर में मध्यप्रदेश से लाया जा रहा दूध सही मायने में शुद्ध है या उसमें कोई मिलावट है? अगर यह दूध केमिकलयुक्त है तो फिर अन्न एवं औषधि विभाग क्या कर रहा है ? ऐसे सवाल कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

राज्य की उप राजधानी नागपुर में मध्यप्रदेश से तुमसर लाया हुआ करीब एक लाख लीटर दूध भेजा जाता है। तुमसर में इसके उस पर प्रक्रिया करके नागपुर भेजा जाता है। मध्य प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में जैसे वारा शिवनी, कटंगी से यह दूध तुमसर लाया जा रहा है। देखा जाए तो इस परिसर में दूध देने वाले मवेशियों की संख्या काफी कम है। साथ ही वहां का दूध दूध बालाघाट एवं शिवनी में भी भेजा जाता है। दूध नकद व्यवसाय माना जाता है। पिछले कुछ वर्षों से राजनीतिक व्यक्ति का इस व्यवसाय पर राज चल रहा है। जिससे संबंधित विभाग केवल औपचारिकताएं पूरी कर रहा है।

आकस्मिक जांच करते हैं

दो राज्यों से दूध का परिवहन किया जा रहा है, तो किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। टैंकर से आने वाले दूध की जांच की जाती है। उस दूध की गुणवत्ता की भी जांच होती है। यहां आने वाले दूध के टैंकर की नियमित जांच नहीं की जाती, आकस्मिक जांच की जाती है।

- प्रशांत देशमुख,

सहायक आयुक्त, अन्न एवं औषधि प्रशासन, भंडारा

जल पर्यटन से बदलेगी जिले की किस्मत...

3,500 करोड़ की विकास परियोजनाएं लाई गई

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा-पवनी विधानसभा प्रयासों से मंजूर जल पर्यटन आखिर तेजी से पूर्णत्व की ओर बढ़ रहा है. मात्र 2 सालों के भीतर ही इस जल पर्यटन परियोजना में महाराष्ट्र पर्यटन विकास महामंडल द्वारा कार्य को तेजी प्रदान की गई. पिछले पांच वर्षों में क्षेत्र में 3,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं लाई गई हैं.

इनमें सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट जल पर्यटन है जिससे भंडारा जिले की किस्मत बदलने वाली है. गोसे जल पर्यटन परियोजना का मुख्य आकर्षण गोसेखुर्द का विशाल जलाशय है, जो पूरे साल पानी से भरा रहता है. विधायक भोंडेकर ने संकल्प किया है कि इस जलाशय का उपयोग भंडारा जिले के निवासियों के कल्याण और उत्थान के लिए हो. उन्होंने इस परियोजना को वैश्विक मानकों के अनुरूप विकसित करने की योजना बनाई है, जिससे न केवल स्थानीय निवासियों को रोजगार मिलेगा, बल्कि भंडारा जिले को एक नई पहचान भी मिलेगी.

12 जगह से शुरू होगा जल पर्यटन

इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत भंडारा के विभिन्न इलाकों जैसे भंडार 1 और 2. कोरंभी, पहेला/मौदी. अडयाल/चकारा, गोसे, करधा, मांडवी, खमारी, मकरधोकडा, नेरला, और जवाहर नगर में पर्यटकों के लिए प्रवेश द्वार बनाए जाएंगे. इन प्रवेश द्वारों के जरिए पर्यटक इस जल पर्यटन का आनंद ले सकेंगे. सबसे खास बात यह है कि अब भंडारा जिले में ही बोट क्लब, जेटस्की, हाउस बोट और कूज जैसी रोमांचक गतिविधियों का आनंद लिया जा सकेगा.

जिले का गौरव बनाने का देखा सपना : भोंडेकर

विधायक नरेंद्र भोंडेकर ने बताया की जल पर्यटन परियोजना को भंडारा जिले का गौरव बनाने का सपना उन्होंने देखा है. यह परियोजना भारत में पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनने जा रहा है. भोंडेकर के अनुसार, इस प्रोजेक्ट से लगभग 10 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा, जिससे क्षेत्र में आर्थिक और सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी. विधायक नरेंद्र भोडेकर ने बताया की परियोजना की शुरूआत के लिए 245 करोड रुपये की राशि निर्धारित की गई है, जो विकास कार्यों को गति देने के लिए आवश्यक है. गोसे जल पर्यटन परियोजना के माध्यम से भंडारा जिले को एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का मानस है, जिससे यहां की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को भी एक नई पहचान मिलेगी.

संपादकीय

गर्जनांना गोळीबाराचे आव्हान

राष्ट्रवादी काँग्रेसच्या अजित पवार गटाचे नेते आणि माजी मंत्री बाबा सिद्दिकी यांच्या हत्येनंतर नेहमीप्रमाणे 'गुन्हेगारांना कडक शासन होईल, कायदा आणि सुव्यवस्था बिघडू देणार नाही, या हत्येचे राजकारण करू नये' आदी घासून घासून गुळगुळीत झालेली वाक्येच पुन्हा पुन्हा ऐकवली जात आहेत. या हत्येचे राजकारण करू नये, असं म्हणताना राज्यातील राजकारण हे गुन्हेगारीपासून अलिप्त राि हले आहे का, हा प्रश्न महत्त्वाचा आहे. गुन्हेगारांचे अखेरचे आश्रयस्थान राजकारण असल्याचे बोलले जाते. बाबा सिद्दिकी यांच्या हत्येमागील राजकीय किंवा दहशत पसरवण्याची कारणे कोणती हे चौकशी, तपासातून स्पष्ट होत जातीलच. तीन पोलिसांची सुरक्षा असलेल्या मुंबईतल्या एका महत्त्वाच्या नेत्याची भर रस्त्यात होणा[]या हत्येने राज्यातील कायदा आणि सुव्यवस्था तसेच नागरिकांच्या सु- रखेवरही प्रश्नचिन्ह निर्माण केले आहे.

बाबा सिद्दिकी यांची मुंबईत हत्या होत असताना दस[]याच्या दिवशी महाराष्ट्रातील राजकारणही विशेषतः मुंबईतच टिपेला पोहचले होते. येत्या काही दिवसांत आचारसंहिता लागू होण्याची शक्यता असताना राज्यात आणि विशेषतः मुंबईत आपापल्या पक्षाची टिमकी वाजवणारी भाषणे राज्यातील प्रमुख नेत्यांकडून केली जात होती. या राजकीय विजयादशमीत टीका टिप्पणीच्या शिमग्याने मुंबईतली मैदाने सत्ताधारी आणि विरोधकांकडून गाजवली जात होती. त्याचवेळी वातील फोलपणा उघड करणा[]या गोळीबाराचा आवाज बद्रि पूर्व भागातून आला होता. या गोळीबाराच्या आवाजात विजयादशमीनिमित्त पक्षांच्या प्रमुख नेत्यांनी फुंकलेल्या प्रचाराच्या रणशिंगाचा आवाज क्षीण ठरला आहे. मुंबईच्या शिवाजी पार्कमध्ये उद्धव ठाकरे यांनी एकनाथ शिंद आणि भाजपावर कडाडून टीका केली, तर एकनाथ शिदि यांनी आझ- ाद मैदानात विरोधकांना लक्ष्य केले. नागपूरमध्ये सरसंघचालक मोहन भागवत यांनी हिंदुत्वाचा सूर आळवला, तर बीडमध्ये जरागे पाटील, पंकजा मुंडे आणि धनंजय मुंडे यांनी आपली ताकद दाखवली. दुस- रीकडे मनसेचे राज ठाकरे यांनीही पॉडकास्टच्या माध्यमातून 'पुन्हा संधी द्या' अशी विनंती जनतेला केली. महाराष्ट्र आणि विशेषतः मुंबईत असा वक्तव्यांचा राजकीय धुरळा उडवला जात असताना या राजकीय आवाजांना सिद्दिकीवर झालेल्या गोळीबाराच्या आवाजाने बधिर केले.

लोकप्रतिनिधी आणि माजी मंत्री असलेल्या नेत्याला गोळीबार करून संपवले जाते, हे न समजण्यासारखे आहे. महाराष्ट्रात तरी हे व्हायला नको. या हत्येची कारणे धार्मिक, सामाजिक, राजकीय, बदल्याची किंवा केवळ दहशत निर्माण करण्यासाठी होती का? हे समोर येईलच, परंतु संघटित गुन्हेगारीला मुंबईच्या रस्त्यावर हत्येसाठी मिळणारे मोकळे रान राज्यासाठी चिंताजनक आहे. सत्ताधारी आणि विरोधकांनीही धर्म, व्यक्तीगत राजकारणाच्या चिखलफेकीच्या पलिकडे या घटनेकडे पाहायला हवे. सिद्दिकी यांना संघटित गुन्हेगारी टोळीकडून हत्येची धमकी आली होती, असे म्हटले जात आहे. त्यानंतरही त्यांच्या सुरक्षा व्यवस्थेची पुरेशी काळजी का घेतली गेली नाही. ही जबाबदारी राज्याच्या गृहविभागाची असल्याचे स्पष्ट असताना हे राज्याच्या गुप्तवार्ता विभागाचेही अपयशच म्हणाये लागेल. मारेकरी मुंबईत सप्टेंबर महिन्यापासून राहात असल्याची माहिती येत आहे. राज्यातील एक नेते आणि बड्या अभिनेत्यालाही संबंधित गुन्हेगारी टोळीकडून धमक्या आल्या होत्या. असे असतानाही सुरक्षा व्यवस्थेत झालेली दिरंगाई विधानसभा निवडणुकीच्या पार्श्वभूमीवर सत्ताधा[]यांना डोकेदुखी ठरणार आहे. राज्यातील नेत्यांच्या सुरक्षेवरच प्रश्नचिन्ह निर्माण होत असताना सामान्यांच्या सु- रक्षेचा विषय अद्यापही दूरचा आहे. राज्यातील महिला अत्याचारांनी उच्चांक गाठला असताना ही सामाजिक परिस्थिती हाताळण्याचे आव्हान समोर आहे.

त्याचसोबत आता कायदा आणि सुव्यवस्थेचे मुंबईतल्या भर रस्त्यात धिंडवडे निघत असताना सत्ताधा[]यांसाठी विधानसभा निवडणुकीच्या पार्श्वभूमीवर गोळीबाराची ही घटना अडचणीची ठरणार आहे. राज्याच्या मुख्यमंत्र्यांनी हामला हलक्यात घेऊ नकाह असा इशारा त्यांच्या पक्षाच्या दसरा मेळाव्यातून दिला, मात्र राज्यातील कायदा आणि सुव्यवस्थेला हलक्यात न घेण्याची चिंता त्यांनी सद्यस्थितीत करायला हवी. मुख्यमंत्र्यांना होणारा विरोध हा राजकीयच असायला हवा आणि त्याला मिळणारे उत्तरही राजकीयच असायला हवे, व्यक्तिगत नाही. त्यामुळे व्यक्तिगत आरोप- प्रत्यारोपातून राज्यातील नेत्यांनी बाहेर पडायला हवे. दुसरीकडे विरोधकांच्या पक्षगटाचा शिवाजी पार्कवर झालेल्या मेळाव्यातही व्यक्तिगत टीका टिपण्णीचाच सूर ऐकायला मिव्याला. महाराष्ट्राच्या राजकारणातील या दोन्ही महत्त्वाच्या पक्षांकडून यंदाच्या दस[]याला ठोस असे मार्गदर्शन मिळाले नाही.

त्यामुळे दसरा मेळाव्यात 'विचारांचे सोने लुटण्याचा' काळ खरंच मागे सरल्याचे दिसून आले. दुसरीकडे 'राज'कीय 'पॉडकास्ट'मधूनही सत्तेच्या विनंतीशिवाय कुठलाही नत्रा विचार समोर आला नाही. शिदि आणि दोन्ही ठाकरे या वरील तीनही राजकीय घटकांचे 'उगमस्थान आणि कर्मभूमी' असलेल्या वांद्याच्या भूमीजवळूनच महाराष्ट्रातल्या राजकारणाला गुन्हेगारांकडून गोळीबारातून आव्हान दिले गेल्याने याचे गांभीचं वाढले आहे. राज्याचे गृहमंत्री फडणवीस यांच्याकडून सिद्दिकी यांच्या हत्येच्या घटनेनंतर केवळ औपचारिक राजकीय खुलासे आणि उत्तरे आली आहेत, तर बाबा सिद्दिकी हे ज्यांच्या पक्षाचे विद्यमान नेते होते, त्या अजित पवार यांच्याकडून गुन्हेगारांना शिक्षा केली जाईल, असे सांगण्यात आले आहे. महाराष्ट्रातले सिंह, वाघ म्हणवल्या जाणा[]यांच्या गर्जना संघटित गुन्हेगारीच्या गोळीबाराच्या आवाजात दबून जायला नकोत. वाघ आणि सिंहांच्या भांडणाचा बाहेरच्या शिका[]यांनी गैरफायदा घेता कामा नये. राजकीय गर्जना करणा[]या राज्यातील वाघ-सिंहांनी निदान एवढे तरी समजून घ्यायला हवे.

निराधार योजनेचे मानधन रखडले; गरजू लाभार्थी मानधनाच्या प्रतीक्षेत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : विधवा, दिव्यांग, परितक्त्या, निराधार, घटस्फोटित, वयोवृद्ध घटकांना शासनातर्फे जीवनज्ञापन करण्यासाठी मासिक मानधन दिले जाते. परंतु, गत काही महिन्यांपासून जिल्ह्यात गरजू लाभार्थी मानधनाच्या प्रतीक्षेत आर्थिक विवंचनेचा सामना करीत आहेत. या महिन्यात सणासुदीचे दिवस असताना त्यांना मात्र दोनवेळच्या जेवणासाठी हाल सोसावे लागत आहेत.

राज्य शासनाच्या सामाजिक न्याय व विशेष सहाय्य विभागाच्यावतीने संजय गांधी निराधार अनुदान योजना, श्रावणबाळ सेवा राज्य निवृत्ती, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा निवृत्ती वेतन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धापकाळ निवृत्ती वेतन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग निवृत्ती वेतन व राष्ट्रीय कुटुंब अर्थसहाय्य, वयोवृद्ध कलाकार मानधन आदी योजना समाजातील वंचित घटकांसाठी राबविण्यात येतात.

या गरजू व्यक्तींना नियमित मानधन मिळावे, असे अपेक्षित आहे. परंतु, ते बहुधा एकत्रच मिळते. गत काही महिन्यांपासून या लाभार्थ्यांचे मानधन अद्याप मिळाले नाही. शासनाने अनुदान जमा न केल्याने ही स्थिती उद्भवली असून, यामुळे मानधनावर अवलंबून असणा[]या गरजूंची आर्थिक ओढाताण सुरू आहे. श्रावणबाळ योजनेचे अधिकाधिक लाभार्थी वृद्ध आहेत. ६५ वर्षांवरील या वृद्धांना या वयात औषधपाण्याची गरज असते. पेन्शन न मिळाल्याने त्यांचा दवाखाना थांबला आहे. याशिवाय दैनंदिन खचार्चीही अडचण झाली आहे. पेन्शन कधी येणार, याची विचारणा करण्यासाठी लाभार्थी तहसील कार्यालयात येरझा[]या घालत आहेत.

अनुदानच न आल्याने कर्मचा[]यांनाही उत्तर देणे कठीण झाले आहे. हाती पैसाच नसल्याने सण साजरे करणे दूर सध्या त्यांना रोज पोट भरण्याची भ्रांत पडली आहे.

विशेष सहाय्य योजनेंतर्गत मानधन सुरू ठेवण्यासाठी योजनेच्या लाभार्थ्यांना दरवर्षी शासनाने हयातीच्या दाखल्याबरोबरच उत्पन्नाचा दाखला सादर करावा लागतो. अपंग, वृद्ध, निराधार लाभार्थ्यांनी मोठा मनस्ताप सहन करून या अटींची पूर्ती केली. गरीब, निराधार, वृद्ध, विधवा व परितक्त्या, गरीब लाभार्थ्यांना आर्थिक भुर्दंड सहन करावा लागला. परंतु, तरीही त्यांना नियमित मानधन देण्यात आडकाठी? असा प्रश्न लाभार्थ्यांनी केला आहे.

बँक, तहसीलच्या वाढल्या चकरा

याबाबत तहसील कार्यालयातील संबंधित विभागाच्या अधिका[]यांनी, अनुदान आले नसल्याने ३ महिन्यांचे पेन्शन प्रलंबित असल्याला दुजोरा दिला. हे लाभार्थी चौकशीसाठी बँकेत व तहसील कार्यालयाच्या पाय[]या झिजवित आहेत.

काँग्रेसने वेधले प्रशासनाचे लक्ष

भंडारा तालुका महिला काँग्रेस कमिटीची अध्यक्षा स्वाती हेडाऊ यांच्या नेतृत्वात निराधार व वृद्ध कलाकार योजनेच्या थकीत मानधनाकरिता मुख्यमंत्र्यांच्या नावे असलेले निवेदन उपजिल्हाधिकारी लोंढे यांना सोपविण्यात आले. यावेळी इंटक शहराध्यक्ष स्नेहा भोवते, महिला काँग्रेस तालुका उपाध्यक्ष स्नेहा रामटेके, नम्रता बागडे, सुभद्रा हेडाऊ, इंद्रमाती कोल्हे, सारू मेश्राम, तारा डुंभरे, वृंदा बागडे, श्यामदास हेडाऊ, बुधा मेश्राम आदी लाभार्थी उपस्थित होते.

धावत्या इलेक्ट्रिक वाहनाने महामार्गावर घेतला पेट

अड्याळ : महामार्गावरून धावणा[]या एका इलेक्ट्रिक दुचाकी वाहनाने पेट घेतल्याची घटना शुक्रवारी अड्याळच्या जवळ घडली. पोलिसांनी तातडीने धाव घेऊन अग्निरोधकाच्या साहाय्याने वाहनाला लागलेली आग विझविली. मात्र, यात वाहनाचे पूर्णतः नुकसान झाले. सोबतच, वाहनावरून विक्रीसाठी नेला जात असलेला रेडिमेड कापडाचा गठ्ठाही आगीत स्वाहा झाला. ही घटना ११ वाजेच्या सुमारास घडली.

भरधाव कारची दुचाकीला धडक : एक जागेवरच ठार, दुसरा गंभीर

विजयादशमीच्या पूर्वसंध्येला अपघात : गावावर शोककळा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सावरला : पवनी तालुक्यात पवनी ते - सिरसाळा दरम्यान भरधाव बोलेरोची विरुद्ध बाजूने येणा[]या दुचाकीला - जोरदार धडक बसली. यात - दुचाकीस्वारापैकी एकाचा जागीच मृत्यू झाला, तर दुसरा गंभीर जखमी झाला. - जखमीला भंडारा जिल्हा सामान्य रुग्णालयात रेफर करण्यात आले आहे. सायंकाळी ५.३० वाजताच्या - सुमारास ही घटना घडली. विजयादशमीच्या पर्वसंध्येला घडलेल्या - या अपघातामुळे गावात शोककळा पसरली आहे.

यातील मृताचे नाव भोजराज उष्टीराम लोणारे (४६) असे असून जखमीचे नाव बालकदास गुलाब रामटेके (५५) असे आहे. हे दोघेही कन्हाळगाव येथील राहणारे आहेत. प्राप्त माहितीनुसार, पवनी येथे काही कामानिमित्त हे दोघेही दुचाकीने गेले होते. काम आटोपून गावाकडे परत येत असताना पवनीपासून काही अंतरावर कन्हाळगाव नाल्याजवळ समोरून येणा[]या बेलोरोची (एमएच ३४, एफ २२३४) दुचाकीला जोरदार धडक बसली. हा अपघात एवढा भयंकर होता की भोजराज लोणारे यांच्या डोक्याला गंभीर दुखापत झाल्याने प्रचंड रक्तस्त्राव होऊन त्यांचा जागीच मृत्यू झाला, तर बालकदास रामटेके यांच्या डोक्याला तसेच पायाला गंभीर दुखापत झाली. त्यांना प्राथमिक उपचारासाठी पवनीच्या रुग्णालयात दाखल करण्यात आले. मात्र प्रकृती गंभीर असल्याने भंडारा जिल्हा सामान्य रुग्णालयात रेफर करण्यात आले. पंचायत समिती सदस्य सुवर्णा रामटेके यांनी या अपघातानंतर मानवतेच्या भावनेतून सहकार्य केले.

बापरे... आनंदाचा शिधा किटमधील रखा निकृष्ट दर्जाचा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

किटाडी : राज्य सरकारकडून मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनेअंतर्गत सण, उत्सवानिमित्त गरीब लाभार्थ्यांना आनंदाचा शिधा किट वाटप केली जात आहे. या किटमधून उत्कृष्ट दर्जाच्या चार जीवनावश्यक वस्तूंचे वाटप केले जात असल्याचे सांगितले जात असले तरी लाखनी तालुक्यातील किटाडी येथील रेशन दुकानातून मिळणा[]या आनंदाचा शिधा किटमधील रवा काळसर रंगाचा व दुर्गंधीयुक्त असून, ख्यात बारीक किडे व अळ्या आढळल्याची लाभार्थ्यांची तक्रार आहे.

राज्य सरकारकडून नवरात्रोत्सवात आनंदाचा शिधा प्राप्त झाला. किटाडी येथे रेशन दुकानातून सोमवारी आनंदाचा शिधा वाटपाला सुरुवात करण्यात आली. शिध्यात एक किलो रवा, एक किलो साखर, एक किलो चणा डाळ व एक किलो गोडेतेल आदींचा समावेश आहे. हे चारही साहित्य १०० रुपयांच्या मोबदल्यात वाटप केले जात आहेत. किटाडी येथे ५६४ रेशनकार्डधारक लाभार्थी असून, सोमवारी सकाळ पाळीत ८३ लाभार्थ्यांना आनंदाचा शिधा वाटप करण्यात आला. यामध्ये मिळणारा रवा निकृष्ट दजार्चा आहे. आरोग्यासाठी पोषक नसल्याचे दिसून आले. परिणामी, लाभार्थ्यांमध्ये असंतोष निर्माण झाला आहे.

अधिका[]यांनी केला पंचनामा

किटाडी येथील रेशन वितरक विवेक घाटबांधे हे आनंदाचा शिधा किट वितरण करीत असताना किटमधील रवा निकृष्ट दजार्चा असल्याची माहिती लाभार्थ्यांकडून मिळताच पुरवठा विभागाला भ्रमणध्वनीवरून माहिती दिली. यावरून पुरवठा विभागाचे अधिकारी विनय कछवाह यांनी किटाडी येथील रेशन दुकानाला भेट देऊन पंचनामा केला. यावेळी सरपंच कल्पेश कुळमते, उपसरपंच पंकज घाटबांधे, पोलिस पाटील प्रशांत धुर्वे, तंमुस अध्यक्ष देविदास शेंडे आदी उपस्थित होते.

आनंदाचा शिधा किटमधील निकृष्ट दजार्चा असलेला रवा बदलून पुरवठा विभागाकडून त्या बदल्यात नव्याने पुन्हा चांगल्या दजार्चा रवा लाभार्थ्यांना उपलब्ध करून दिला जाईल.

- रोशन कापसे, पुरवठा अधिकारी लाखनी

स्वस्त धान्य दुकानातून मिळालेल्या किटमधील व्याच्या पाकिटमध्ये बारीक-बारीक किडे, अळ्या आढळून आल्या. रवा काळसर रंगाचा आहे. त्या व्याला दुगंधीसुद्धा येत होती.

-कुंदा वरवाडे, लाभार्थी महिला, किटाडी

शिधा किट वाटपाला सोमवारी सुरुवात केली. ८३ लाभार्थ्यांना शिधा किट वाटप करण्यात आली. मात्र, लाभार्थ्यांना रवा हा निकृष्ट असल्याची माज्याकडे तक्रार केली. सद्यस्थितीत आनंदाचा शिधा किट वाटप बंद करण्यात आले आहे.

- विवेक घाटबांधे, राशन वितरक, किटाडी.

५४१ गावांत १६२३ जलमित्र; आतापर्यंत नाममात्र अर्ज; मानधन मिळणार किती

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जलजीवन मिशनअंतर्गत पाणीपुरवठा योजनेच्या देखभालीसाठी प्रत्येक ग्रामपंचायतीत तीन जलमित्रांची नेमणूक करण्यात येणार आहे, त्यासाठी अर्ज मागविण्यात आले आहेत. जिल्ह्यात आतापर्यंत नाममात्र अर्ज आल्याचे सांगण्यात आले. जिल्ह्यातील अनेक ग्रामपंचायतींमध्ये जल जीवन मिशनचे काम सुरू आहे. काही गावांत योजना पूर्ण झाल्या आहेत तर काही गावांत कामे सध्या सुरू आहेत.

या पाणीपुरवठा योजना पूर्ण करण्यासाठी कोट्यवधी रुपयांची तरतूद शासनाने केली आहे. मात्र या योजना भविष्यात व्यवस्थित सुरू ठेवण्यासाठी तसेच देखभाल दुरुस्तीकरिता प्रत्येक गावात तीन जलमित्रांची निवड करण्यात येणार आहे. नळ दुरुस्तीकरिता प्लंबर, मोटार दुरुस्ती करिता फिटर, सौर पंप व वीज पुरवठा सुरळीत होण्याकरिता वायरमन, इतर कामांच्या दुरुस्तीकरिता गवंडी अशाप्रकारे तांत्रिक कौशल्य असणारे तीन व्यक्तींची निवड ग्रामपंचायतीकडून होणार आहे. पूर्वी प्रशिक्षण घेतलेले व अनुभवी कारागीर ग्रामपंचायत स्तरावर उपलब्ध करणे तसेच त्यांना प्रशिक्षित करून पाणीपुरवठा योजनेच्या कामासाठी उपयोगात आणण्याचा उद्देश आहे.

मानधन किती?

ग्रामपंचायतींमध्ये नेमल्या जाणा[]या जलमित्रांना शासनाकडून मानधन मिळणार असल्याचे सांगण्यात येते. तर दुसरीकडे पाणीपुरवठा योजनेच्या गरजेनुसार करावयाच्या दुरुस्तीवेळी ठराविक रक्कम मिळणार असल्याचे सांगण्यात येते.

अर्ज आले किती?

भंडारा जिल्ह्यातील प्रत्येक ग्रामपंचायतींना प्लंबर गवंडी कौशल्य ट्रेड संच-१, मोटार मेकॅनिक फिटर ट्रेड संच-२, इलेक्ट्रिशियन पंप ऑपरेटर संच-३ अशा प्रत्येकी संचामध्ये तीन सदस्यांची माहिती भरून एकूण नऊ सदस्यांची माहिती तत्काळ भरण्याचे कळविण्यात आले आहे. या माहितीची हार्ड कॉपी तालुकास्तरावर ठेऊन जिल्हा कार्यालयास माहिती भरल्याचे कळविण्याबाबत सूचना दिल्याचे समजते.

ग्रामपंचायतींकडून माहिती मागविणे सुरु

नेमणार १६२३ जलमित्र

अनेक गावांमध्ये जल जीवन मिशन पाणीपुरवठा योजनांचे कामे मंजूर झालेली आहे. त्यातील बरीच कामे पूर्ण होऊन पाणीपुरवठा योजना सुरू झाल्या आहेत. या योजनांच्या देखभाल दुरुस्तीसाठी करून देण्यासाठी शासनाची जलमित्र संकल्पना आहे. ग्रामपंचायतींमध्ये प्रत्येकी तीन जलमित्र प्रशिक्षित करणे शासनाचे उद्दिष्ट आहे.

काय करणार हे जलमित्र?

पाणीपुरवठाची देखभाल व दुरुस्तीची कामे जलमित्र करणार आहेत. ग्रामपंचायतीमध्ये गवंडी-प्लंबर, मेकॅनिक, फिटर व पंप ऑपरेटर, इलेक्ट्रिशियन जलमित्र नेमले जात आहेत.

बँकेतून खातेदाराचे १३ हजार रुपये पळविले

चोरटे कॅमेरात कैद : रक्कम मोजत असतानाच हातचलाखी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

अड्याळ : येथील सेंट्रल बैंक ऑफ इंडियाच्या शाखेतून खातेदाराने काढलेली रक्कम मोजत असताना दोन अनोळखी व्यक्तींनी रबर पडल्याचे सांगून बंडलमधील १३ हजार रुपयांची रक्कम लांबविल्याची खळबळजनक घटना घडली. हे दोन्ही चोरटे सीसीटीव्ही कॅमेरात कैद झाले असले तरी पोलिसांच्या हाती लागलेले नाहीत. सहादेव बाबुराव आखरे हे खैरी येथील ६२ वर्षीय खातेदार शेतकरी आहेत. शुक्रवारी अड्याळ गुजरी चौकातील सेंट्रल बैंक ऑफ इंडियाच्या शाखेत दुपारी १२ वाजेच्या सुमारास आपल्या खात्यामधून ४५ हजार रुपयांची रक्कम काढून टेबलवर मोजत असताना दोन अनोळखी व्यक्ती जवळ आल्या. त्यांनी शक्कल लढवून आधी पाचशेच्या नोटांवर गुंडाळलेला रबर खाली पाडला.

नंतर त्या बंडलमध्ये रंग लागलेली नोट असल्याचे त्यांना सांगून लक्ष विचलित केले. या दरम्यान हातचलाखी करून १३ हजार रुपयांची रक्कम लंपास केली. त्यानंतर ते पसार झाले. दरम्यान नोटा मोजल्यावर त्यात १३ हजार रुपये कमी असल्याचे त्यांच्या लक्षात आले. दरम्यान रक्कम पळविल्याचा प्रकार निदर्शनास आला.

हातचलाखी करून १३ हजार रुपयांची रक्कम लंपास केली. त्यानंतर ते पसार झाले. दरम्यान नोटा मोजल्यावर त्यात १३ हजार रुपये कमी असल्याचे त्यांच्या लक्षात आले. दरम्यान रक्कम पळविल्याचा प्रकार निदर्शनास आला

गदीर्चा घेतला फायदा

परिसरातून अड्याळमधील या बँक शाखेत हजारो ग्रामस्थांनी आपली विविध प्रकारची खाती उघडली आहेत. या शाखेत नेहमीच पाय ठेवायला जागा उरत नाही. एवढेच नाही तर, ग्राहकांना सुविधासुद्धा नाहीत. गर्दी झाल्यावर रांगा थेट बँकेच्या बाहेरपर्यंत लावाव्या लागतात. कारण बँकेत जागाच नाही.

आता बस स्थानकांवर घ्या मोफत उपचार ! राज्यातील ३४३ बस स्थानकांवर 'आनंद आरोग्य केंद्र'

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

: महाराष्ट्र राज्य मार्ग परिवहन महामंडळाकडून प्रवाशांसाठी विविध सवलती दिल्या जात आहेत. आता महामंडळाने बस स्थानकांमध्ये आरोग्य सेवेसाठी एक पाऊल पुढे टाकण्याचा निर्णय घेतला आहे. एसटी महामंडळाने राज्यातील ३४३ बस स्थानकांवर 'आनंद आरोग्य केंद्र' नावाने दवाखाना सुरू केला जाणार असल्याची घोषणा नवनियुक्त अध्यक्षांनी केली. यानुसार बस स्थानकांच्या ठिकाणी सर्व नागरिकांना डॉक्टरांच्या सल्ल्यासह कमी दरात विविध चाचण्या आणि औषधी मिळण्यास मदत होणार आहेत.

प्रवाशांच्या सेवेसाठी हे ब्रीद घेऊन एसटी महामंडळाची लालपरी महाराष्ट्राच्या कानाकोपऱ्यात धावत आहे. त्यामुळे प्रवासीही वाट पाहीन, पण एसटीनेच जाईन, अशी भूमिका घेत आहेत. सुरक्षित प्रवासाची हमी असल्याने अनेकजण एसटीला प्राधान्य देतात. दरम्यान, शासनाने विविध घटकांतील प्रवाशांसाठी प्रवासात सवलती दिल्याने दिवसेंदिवस संख्या वाढत आहे. त्यातच आता महामंडळाने बस स्थानकात प्रवाशांना 'आनंद आरोग्य केंद्र' नावाने दवाखाना सुरू केला जाणार आहे. लवकरच प्रवाशांच्या सेवेत आरोग्य केंद्र सुरू होणार असल्याचे

महामंडळाकडून सांगण्यात आले. त्यामुळे प्रवाशांना प्रवासादरम्यान आता आरोग्यसेवेचाही लाभ मिळण्यास मदत होणार आहे. भंडारा येथील आगारात आनंद आरोग्य केंद्र लवकरच सुरू करण्यात येणार असल्याची आशा पल्लवीत झाली आहे.

चालक, वाहकांची मोफत तपासणी

एसटीच्या उत्पन्नात भर टाकण्यासाठी चालक, वाहकांवर मोठी भिस्त आहे. त्यामुळे त्यांचे आरोग्य सुदृढ राहावे, यासाठी ४० वर्षांवरील चालक-वाहकांची आरोग्य तपासणी केली जाणार आहे. यात सीबीसी, थायरॉईड, कोलेस्ट्रॉल, लिव्हर फंक्शन, किडनी फंक्शन, ईसीजी, मॅमोग्राफी (महिलांसाठी) आदींची बस स्थानकातच तपासणी केली जाणार आहे.

बस स्थानकावर लवकरच सुरू करणार केंद्र

भंडारा विभागांतर्गत असलेल्या बस स्थानकांवर 'आनंद आरोग्य केंद्र' अद्याप सुरू करण्यात आलेले नाहीत. शासनाच्या आदेशानुसार लवकरच बस स्थानकांवर आनंद आरोग्य केंद्र स्थापन केले जाणार आहेत.

काय आहे आनंद आरोग्य केंद्र ?

धर्मवीर आनंद दिघे यांच्या स्मरणार्थ महाराष्ट्रातील एसटीच्या सर्व बस स्थानकांत 'आनंद आरोग्य केंद्र नावाने दवाखाना सुरू केला जाणार आहे. यात माफक दरात बसस्थानकातील प्रवाशांच्या आरोग्य चाचण्या, औषधी एकाच छताखाली उपलब्ध करून देण्याचा प्रयत्न केला जाणार आहे

आरोग्य चाचणी केंद्र सुरू करण्यात येणार

एसटी महामंडळाकडून राज्यातील विविध जिल्ह्यांतील बस स्थानकांत 'आनंद आरोग्य केंद्र सुरू करण्यात येणार आहे. यात माफक दरात आरोग्य चाचणी, औषधी दिल्या जाणार असून, लवकरच सेवेला सुरुवात केली जाणार आहे. यात प्रवाशांसह एसटी कर्मचारी, अधिकाऱ्यांच्या विविध वैद्यकीय तपासण्या केल्या जाणार असल्याची माहिती मिळाली आहे.

गावागावांत मतदान करण्यासाठी मतदारांना प्रोत्साहित करा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भारत निवडणूक आयोगातर्फे राबविण्यात येणाऱ्या स्वीप कार्यक्रमांतर्गत मतदार जनजागृती अभियान हा प्रत्येक तालुक्यामध्ये राबविण्यात येत आहे. मतदानाची टक्केवारी वाढावी व प्रत्येक मतदारांनी मतदान करावे, यासाठी गावागावांमध्ये मतदार जनजागृती अभियान राबवा. युवा प्रशिक्षकांनी पुढाकार घेऊन विद्यार्थ्यांच्या माध्यमाने विविध कार्यक्रम राबवून गावात जनजागृती करून मतदारांना येणाऱ्या सार्वत्रिक विधानसभा निवडणुकीमध्ये मतदान करण्यासाठी प्रेरित करावे, असे आवाहन भंडारा पंचायत समितीचे नोडल अधिकारी तथा गटशिक्षणाधिकारी शंकर राठोड यांनी केले.

भंडारा येथील लालबहादूर शास्त्री महाविद्यालयात मुख्यमंत्री युवा कार्य प्रशिक्षण कार्यशाळेचे आयोजन करण्यात आले. त्याप्रसंगी ते बोलत होते. शंकर राठोड, गोमासे, भोयर, महेश जगनिक, देवानंद घरत. या कार्यक्रमाचे प्रमुख मार्गदर्शक कौशल्य रोजगारचे कनिष्ठ प्रशासन अधिकारी गोमासे, तज्ज्ञ मार्गदर्शक देवानंद घरत, शिक्षण विस्तार अधिकारी गिरधारी भोयर, निखाडे, मुख्याध्यापक महेश जगनिक, साधन व्यक्ती झुरमुरे उपस्थित होते. या कार्यशाळेमध्ये युवा प्रशिक्षकांना कशाप्रकारे नोंदणी करणे, कागदपत्र अपलोड करणे आणि या प्रशिक्षणाविषयी माहिती दिली. गोमासे यांनी सर्व युवा प्रशिक्षकांना त्यांच्या कार्याविषयी माहिती देऊन त्यांना सूचना देण्यात आल्या. या सभेचे रूपांतर स्वीप अंतर्गत मतदार जनजागृती अभियान राबविण्यात येणाऱ्या कार्यक्रमाबद्दल महेश जगनिक यांनी संपूर्ण युवा प्रशिक्षकांना स्वीप उपक्रमांतर्गत मतदारांमध्ये जाणीव जागृती करण्यासंबंधी व विद्यार्थ्यांच्या साहाय्याने विविध प्रकारचे उपक्रम घेऊन मतदार जनजागृती कार्यक्रम राबविण्याबाबत मार्गदर्शन केले. गिरधारी भोयर यांनी आभार मानले.

केसलवाडा येथे शिबिरात ७६५ रुग्णांची तपासणी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखनी : येथील सृष्टी फाउंडेशनद्वारे स्वामी स्पोर्ट्स व ग्रामपंचायत केसलवाडा (पवार) यांच्या संयुक्त सहकार्याने आरोग्य तपासणी शिबिराचे आयोजन करण्यात आले. या शिबिराचा परिसरातील ७६५ व्यक्तींनी लाभ घेतला.

या शिबिराच्या अध्यक्षस्थानी स्वामी स्पोर्ट्सचे संचालक रामेश्वर बिसेन उपस्थित होते. अतिथी म्हणून सरपंच रोमिला बिसेन, उपसरपंच सुनील नंदेश्वर, ग्रामसेविका मोनाली लांडगे, पोलिस निरीक्षक हृदयनारायण यादव, सृष्टीचे अर्पित गुप्ता, प्रशांत खेडीकर, दत्ता गिन्हेपुंजे, विजय गुरूनानी, महेश गुरुनानी, राज गि-हेपुंजे आदी उपस्थित होते. शिबिरात नेत्र, दंत व इतर तपासण्या करण्यात आल्या.

शिबिरात डॉ. चंद्रकांत निंबार्ते, डॉ. टिकेश्वर करंजेकर, नेत्रतज्ज्ञ डॉ. योगेश जिभकाटे, डॉ. रवी हलमारे, डॉ. प्रशांत नागलवाडे, डॉ. सारंग निर्वाण, डॉ. शब्बीर शेख, डॉ. धीरज खोब्रागडे, डॉ. सायली दोनोडे यांनी रुग्ण तपासणी केली. आभार रणबीर भगत यांनी मानले.

जी बी महिला महाविद्यालय, तुमसर येथे 'साईबर सिक्युरिटी' विषयावर विशेष कार्यक्रम

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : संपन्नरोज नवीन तंत्रज्ञान उदयास येऊन नवनवीन संसाधनांचा शोध हा मानव प्रगतीस उपकारक असला, तरी त्याच्या अयोग्य उपयोगाच्या रूपाने मानव जातीसमोर अनेक समस्या निर्माण झालेल्या आहेत. सायबर सिक्युरिटी ही सुद्धा अशीच तरुणांसमोर उभे राहिलेले खूप मोठे आव्हान आहे. आजच्या सोशल मीडिया च्या भासमान जगात जगणाऱ्या नवीन पिढीला सोन्याच्या हरणीसारखे आकर्षक वाटणारे सोशल मीडिया प्लॅटफॉर्म्स हे त्यांच्यासाठी अत्यंत घातक ठरत आहेत आणि रोजच शहरापासून गावापर्यंत अनेकांना विविध सायबर क्राईम्स आणि सायबर घोटाळ्यांचा सामना करावा लागत आहे. कधी फ्रॉड कॉल्स, मेसेजेस, ई-मेल्स किंवा फ्रेंड रिक्वेस्ट च्या माध्यमातून, तर कधी मोठी रक्कम मिळण्याच्या आमिषद्वारे असे सायबर घोटाळे केले जात आहेत. तसेच ए आय म्हणजेच आर्टिफिशियल इंटेलिजन्स याचासुद्धा ब्लॅकमेलिंग साठी खूप घातक असा उपयोग सुरू झालेला आहे. तेव्हा आजच्या तरुणाईने या सर्व आकर्षक गोष्टींपासून सावध राहण्याची गरज आहे. असे प्रतिपादन सबिहा अंसारी मॅडम, एमकेसीएल यांनी आपल्या मार्गदर्शनात मांडले.

जी बी महिला महाविद्यालय तुमसर येथे दिनांक 11 ऑक्टोबर 2024 ला अंतर्गत गुणवत्ता हमी केंद्र (आयक्यूएसी) विभागाद्वारे महाविद्यालय व एमकेसीएल च्या संयुक्त विद्यमाने तरुणाईसाठी सायबर सिक्युरिटी या महत्त्वाच्या विषयावर मार्गदर्शनपर विशेष कार्यक्रम घेण्यात आला. सदर कार्यक्रमाला मार्गदर्शन करण्यासाठी प्रमुख पाहुणे म्हणून एमकेसीएलच्या मार्केटिंग एक्झिक्यूटिव्ह सबिहा अन्सारी मॅडम आणि युनिक कम्प्युटर तुमसर चे संस्थापक चुनेंद्र राणा व संस्थापिका दिव्या राणा ह्या उपस्थित होत्या. सबिहा अन्सारी यांनी सोशल मीडिया च्या अनियंत्रित उपयोगाने उद्भवणारे धोके व घोटाळे अनेक उदाहरणासह आपल्या प्रेझेंटेशनमध्ये सउदारण पटवून सांगितले. तर चुनेंद्र राणा यांनी कम्प्युटर्स आणि आयटी क्षेत्रात विद्यार्थ्यांसाठी उपलब्ध असलेल्या अनेक संधींबद्दल मार्गदर्शन केले.

कार्यक्रमाचे संचालन व आभार प्रदर्शन आयक्युएसी विभागप्रमुख प्रा विकास मेश्राम यांनी केले तर कार्यक्रमाच्या यशस्वीतेसाठी डॉ उमेश चव्हाण, प्रा अशोक चोपकर, प्रा गायत्री सिरसाम, डॉ गामा सेलोकर तसेच देवेंद्र मंडपे, श्रीकृष्ण तितीरमारे व विद्यार्थिनींनी सहभागी होऊन हातभार लावला

क्यूआर कोड विना लावले सार्वजनिक ठिकाणी अनधिकृत बॅनर

तुमसर शहरात शासन परिपत्रकाची व उच्च न्यायालयाची होते अवहेलना

आचारसंहितेच्या तोंडावर चक्क बॅनरबाजी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : बॅनर अथवा होर्डिंग्ज लावण्यासाठी नगरपालिकेने दिलेली परवानगी आणि क्यू आर कोड असेल तरच होर्डिंग्ज बॅनर छापने बंधनकारक आहें.विधानसभा निवडणुक होऊ घातली आहे. त्या पार्श्वभूमीवर आदर्श आचारसंहिता लागू होण्याची सुद्धा शक्यता आहे.तरी तुमसर शहरात स्मार्ट बाजार चे बॅनर, लावलेले निदर्शनास येत आहेत.

शहरात बॅनरबाजीचा एक ट्रेंड सुरू झाला आहें जिथे तिथे बॅनरचे साम्राज्य दिसत आहें. परंतु स्थानिक प्रशासन याकडे दुर्लक्ष करत आहें जिल्ह्यात आचारसंहिता लागू होणार असून सर्रास उल्लंघन होतांना दिसत आहें.बॅनर व्यावसायिक प्रसिध्दी करीता लावण्यात आले आहेत . त्यात एकाही बॅनरवर क्यूआर कोड नसल्याने शासनाच्या नोटीस व शासन परिपत्रकाचे उल्लंघन होऊन न्यायालयाचा अवमान होताना दिसत आहें. अनधिकृत फलकांविरोधात कठोर कारवाई करण्याचे निर्देश राज्य शासन तसेच नगरपरिषदेला दिलेले आहेत. अनधिकृत होर्डिंग्ज उभारण्याविरोधात दंडात्मक कारवाईसह शहराचे विद्रुपीकरण केल्याप्रकरणी थेट गुन्हा दाखल करण्याचे निर्देश देण्यात आलेले आहेत. शहरात ग्रामीण भागात बॅनर लावून होणारे विद्रुपीकरण थांबविण्यासाठी नपने अथवा तालूका प्रशासनाने पावले उचलावी, अशी मागणी सुज्ञ नागरिकांकडून पुढे येत आहे.विविध चौक आणि रस्त्यावर विनापरवानगी विनाक्यू आर कोड चे

बॅनर लावून तुमसर शहरात सध्या विद्रुपीकरण केले जात आहे. शासन नगरविकास विभागाच्या १ जून २००३ च्या अधिसूचनेनुसार अश्या जाहिराती द्वारे सार्वजनिक नीतिमत्ता आणि सभ्यता यांचे उल्लंघन होण्याचा संभव असतो.त्यामुळे महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम १९५१ अन्वये सार्वजनिक शांतता किंवा सार्वजनिक सुरक्षीतता राखण्यासाठी चित्रे चिन्हे फलक तयार करणे, त्याचा प्रचार करने,प्रदर्शन करण्यावर प्रतिबंध घालण्याचे पोलिसांना अधिकार दिले आहेत.

जर कुणी, या वरील प्रकारचे कृत्य करेल तर अश्या संबंधित व्यक्तीवर फौजदारी प्रक्रिया संहिता १९७३ चे कलम१०७ नुसार कार्यवाही होऊ शकते.तसेच फलकावरील मजकुरासंदर्भात फलक तयार करण्यापूर्वी आणि लावण्यापूर्वी पोलिसांकडुन प्रामाणित करून घेणे आवश्यक आहे आणि पोलिसांनी प्रमाणपत्र दिल्यानंतरच फलक लावण्यास परवानगी दिली जाईल.अवैध बॅनर लावल्यास महाराष्ट्र विद्रुपीकरण प्रतिबंधक अधिनियम १९९५ ची कलम अन्वये दोन हजार रुपये आर्थिक दंड किंवा दंड नं भरल्यास तीन महिन्याचा करावास अशी तरतूद आहे.तुमसर शहरात बॅनर वॉर चे शीतयुद्ध सुरु असल्याच्या पार्श्वभूमीवर आता शहरात समाजसेवकांनी लक्ष देऊन प्रशासनाने सुध्दा कारवाई करणे गरजेचे आहे.

विनाक्यू आर कोड व परवानगीविनाच लावले जात आहेत बॅनर. ?

फलकावर परवानगी क्रमांक, मुदत, क्यू आर कोड,अर्जदाराचे नाव, आदी नमूद असेल अशी व्यवस्था कायद्यानुसार करण्यात आली आहे. नगरपरिषदेने प्राधिकृत केलेल्या जागेशिवाय इतर कुठल्याही ठिकाणी फलक, पोस्टर्स, बॅनर्स, होर्डींग्ज फ्लेक्स आदी लावण्यावर पूर्णपणे प्रतिबंध आहे.

गावातील प्रमुख मागार्ने चुल्हाडकरांचा खडतर प्रवास

मार्गात खड्डेच खड्डे : गावकरी संतापले, ग्रामीण रस्त्यांचे हाल-बेहाल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा) : चुल्हाड गावाला जोडणाऱ्या प्रमुख मार्गावर खड्डेच खड्डे पडले आहेत. खड्ड्यांत अनेक अपघात घडले आहेत. या मार्गावरून नागरिकांचा खडतर प्रवास सुरू झाला आहे. मागार्चे डांबरीकरण करण्याचे आश्वासन गावकऱ्यांना मिळाले होते. परंतु, आश्वासनाचा यंत्रणेला विसर पडला असल्याचा आरोप आहे.

भंडारा बालाघाट राष्ट्रीय महामार्गावरून चुल्हाड गावाला जोडणारा ३ किमी अंतरचा मार्ग आहे. या प्रमुख मागार्चे अवस्था बिकट झाली आहे. मार्गावर जागोजागी खड्डे पडले आहेत. खड्यामुळे गावकरी वैतागले आहेत. खड्ड्यांत प्रमुख मार्ग गेला असल्याने गावकऱ्यांना कसरत करावी लागत आहे. याच मागार्चे ५०० मीटर अंतरपर्यंत सिमेंट रस्ता बांधकाम करण्यात आले आहे. उर्वरीत अडीच किमी अंतरचा मार्ग खड्ड्यांत आहे.

गावकऱ्यांनी वेळोवेळी मागार्चे डांबरीकरण करण्यासाठी निवेदन दिले, परंतु निवेदनाची दखल घेण्यात आली नाही. गावकरी संतापले आहेत. जिल्हा परिषद क्षेत्र असणाऱ्या चुल्हाड गावाच्या विकासाला मार्ग खीळ ठरत आहेत. अलीकडे मागार्चे डांबरीकरण करण्याचे आश्वासन गावकऱ्यांना दिले होते, परंतु आश्वासन हवेतच विरले.

विधानसभा निवडणुकीच्या तोंडावर मागार्चे डांबरीकरण करण्याची मागणी गावात जोर धरू लागली आहे. गावातून गेलेल्या या प्रमुख मागार्ने अपघात होत असताना यंत्रणा निधी नसल्याची बोंब ठोकत असली, तरी डांबरीकरणाचे आश्वासन देण्यात आले. गावकऱ्यांच्या प्रमुख मागणीकडे यंत्रणेने डोळेझाक केले आहे. हा मार्ग सार्वजनिक बांधकाम विभागाच्या अखत्यारीत असल्याने स्थानिक ग्रामपंचायत फक्त मुरुमाचा मुलामा देण्याचे प्रयत्न करीत आहे. मुरुमाच्या मुलामाने खड्ड्यांची समस्या सुटताना दिसत नाही.पावसाळ्यात खड्ड्यांत पाणी साचले जात असल्याने अनेक विद्यार्थी खड्ड्यांत कोसळले आहेत. सरपंच चंदा ठाकरे आणि गुड्डू शामकुवर यांनी ग्रामसभेचा ठराव दिला आहे. पत्रव्यवहार केला आहे. परंतु, पत्राला केराची टोपली दाखविण्यात आली आहे. गत अनेक वर्षांपासून मागार्चे डांबरीकरण अडले आहे

देखभाल व दुरुस्तीची कामे अडली

चुल्हाड ते सुकळी नकुल या ३ किमी अंतरच्या मागार्चे डांबरीकरण मुख्यमंत्री ग्राम सडक योजनांतर्गत करण्यात आले आहे. ५ वर्षे मागार्चे देखभाल आणि दुरुस्ती करण्याचे नमूद करण्यात आले आहे, परंतु काम पूर्ण झाले असता, कंत्राटदाराने पाठ फिरविली आहे. मार्गावर खड्डे पडले आहेत. ही खड्डे पुन्हाहून डांबरीकरण करण्याची जबाबदारी कंत्राटदाराची असताना, खड्डे दुरुस्त करण्यात आले नाही. यामुळे कंत्राटदार नियम धाब्यावर बसवीत असल्याचे आरोप गावकऱ्यांनी केले आहेत

गॅस जोडणी स्वत:च्या नावावर करा अन अनुदान मिळवा... !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनेअंतर्गत मुख्यमंत्री लाडकी बहीण योजनेच्या पात्र लाभार्थीच्या कुटुंबाला एका वर्षात ३ गॅस सिलिंडरचे पुनर्भरण मोफत करून दिले जात आहे; परंतु अनेक ठिकाणी गॅस सिलिंडर जोडणी कुटुंबातील पुरुषांच्या नावे असल्याची बाब समोर आली. त्यामुळे राज्य शासनाने त्यात बदल केला आहे. कुटुंबातील पुरुषांच्या नावे असणारी गॅस जोडणी त्याच घरातील महिलाने स्वतःच्या नावावर करून घेतल्यास मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनेचा लाभ

घेता येणार आहे. राज्यातील लाभार्थीना प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजनेच्या, तसेच मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजनेच्या पात्र लाभार्थीच्या कुटुंबाला एका वर्षात ३

गॅस सिलिंडरचे पुनर्भरण (रिफील) मोफत उपलब्ध करून देण्याचा निर्णय घेण्यात आला होता. त्यासाठी राज्य शासनाने मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना सुरू केली आहे. ३० जुलै २०२४ रोजीच्या शासन निर्णयात मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनेची कार्यपद्धती विहित केली होती. प्रारंभीच्या शासन निर्णयानुसार, उज्ज्वला योजनेअंतर्गत पात्र असलेले लाभार्थी या योजनेसाठी पात्र असणार आहेत. मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजनेस पात्र असलेल्या लाभार्थीचे कुटुंब या योजनेस पात्र असणार आहे. एका कुटुंबात शिधापत्रिकेनुसार केवळ

एक लाभार्थी या योजनेस पात्र असेल. तसेच फक्त १४.२ किलोग्रॅम वजनाच्या गॅस सिलिंडरची जोडणी असलेल्या गॅस ग्राहकांना ही योजना लागू असेल असे नमूद होते; परंतु त्यात नियमात बदल करण्यात आला असल्याने जिल्ह्यातील अनेक महिलांना या नव्या बदलाचा लाभ मिळणार आहे मोफत गॅस नव्हे, खात्यात मिळणार पैसे मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनेअंतर्गत मुख्यमंत्री लाडकी बहीण योजनेच्या पात्र लाभार्थीच्या कुटुंबाला एका वर्षात ३ गॅस सिलिंडरचे पुनर्भरण मोफत करून दिले जात आहे, असे शासन निर्णयात नमूद असले तरी महिलांना मोफत गॅस सिलिंडर दिले जाणार नाही. महिलांना आधी गॅस सिलिडरसाठी जे काही पैसे लागतील, ते पैसे द्यावे लागतील. त्यानंतर केंद्र सरकारच्या ३०० रुपये अनुदानाव्यतिरिक्त राज्य शासन ५३० रुपये प्रतिसिलिंडर इतकी रक्कम लाभार्थीच्या थेट बँक खात्यात जमा होईल.

ड्र मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजनेतील पात्र लाभार्थ्यांना प्रतिसिलिंडर ८३० रुपये रक्कम थेट लाभ हस्तांतरणाद्वारे बँक खात्यात जमा करण्यात येईल. त्यामुळे महिलांना मोठा दिलासा व आधार मिळणार आहे. काय झाला आहे बदल?

निर्णयानुसार, महिला व बालविकास विभागाकडून पात्र ठरविण्यात आलेल्या लाभाथीपैकी १ जुलै २०२४ पर्यंत शिधापत्रिका नुसार कुटुंबातील इतर सदस्यांच्या नावे गॅस जोडणी असलेल्या महिला लाभाथीर्नी स्वतःच्या नावे गॅस जोडणी हस्तांतर केल्यावर, त्या मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजनेस पात्र ठरतील. त्यामुळे आज रोजी ज्या महिलांच्या नावे गॅस कनेक्शन नाही, त्या आपल्या नावे गॅस कनेक्शन करून घेऊ शकतील.

बेपत्ता तरूणाचा विहिरीत आढळला मृतदेह

पारडी येथील शेतशिवारातील घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : सहा दिवसांपूर्वी फिट व लोकमत न्यूज नेटवर्क डोकेदुखीच्या आजाराला कंटाळून एक तरुण कुटुंबीयांना न सांगता घरून निघून गेला होता. कुटुंबीयांनी बेपत्ता तरुणाला शोधण्यासाठी स्थानिक दिघोरी मोठी पोलिसांत तक्रार केली होती. त्यानुसार तब्बल ६ दिवसानंतर बेपत्ता तरूणाचा पारडी येथील शेतशिवारातील विहिरीत मृतदेह आढळला.

ही घटना १३ ऑक्टोबरला सायंकाळी ५ वाजताच्या सुमारास उघडकीला आली. चिंतामण यशवंत ब्राह्मणकर (३४) असे मृताचे नाव आहे. चिंतामण हा मागील काही वर्षांपासून फिट व डोकेदुखीच्या आजाराने त्रस्त होता. या आजारावर विविध औषधोपचार करून देखील आजार बरा होत नसल्याने चिंतामण

तणावात राहायचा. या आजाराला कंटाळून चिंतामण ७ ऑक्टोबर रोजी कुटुंबीयांना मृत चिंतामण ब्राम्हणकर काही न सांगता घरून निघून गेला होता.

तरुणाच्या वडिलांनी स्थानिक दिघोरी मोठी पोलिसात तत्काळ तक्रार दाखल करून बेपत्ता युवकाचा शोध घेण्याची मागणी केली होती. या तक्रारीवरून पोलिसांनी शोधकार्य सुरू केले. दरम्यान, पारडी शिवारातील विहिरीत चिंतामणचा मृतदेह आढळला. दिघोरी मोठी पोलिसांनी घटनास्थळी पोहोचत पंचनामा करून मृतदेह शवविच्छेदनासाठी पाठविला.

जनता के लिए राजनीति नहीं विकास नीति जरूरी

भव्य शेतकरी मेळावा : निमीत्य पेशाच्या सर्व क्षेत्री

लाखांदुर में किसान सम्मेलन आयोजित

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदुर : भंडारा-गोंदिया जिले के कुछ जनप्रतिनिधियों ने पिछले कुछ वर्षों में राजनीति कर जनता को गुमराह किया है. जिसके कारण उक्त जिलों की आम जनता विभिन्न समस्याओं से जूझने का आरोप लगाकर जनता के भलाई के लिए राजनीति नहीं बल्कि विकास की नीति जरूरी होने का आह्वान सांसद प्रफुल पटेल ने किया है. वे 14 अक्टूबर को लाखांदुर के नेचुरल ग्रोवर्स प्रा.ली. शुगर फैक्ट्री के तहत आयोजित किसान सम्मेलन में बोल रहे थे.

भंडारा गोंदिया जिले के किसानों के कृषि क्षेत्र में विकास के लिए दोनों जिलें में विभिन्न सिंचाई प्रकल्पों को मंजूरी दी गई है. जिसके कारण दोनों जिले के किसानों को फसल उत्पादन में सहायता हुई है. धान उत्पादक किसानों के लिए पिछले कुछ वर्षों में सरकार से बोनस उपलब्ध होने के लिए हर उन्होंने पहल की है. जिसके कारण पिछले कुछ वर्षों में किसानों प्रती क्विंटल एवं प्रति हेक्टेयर बोनस मंजूर किया गया है. इस वर्ष धान उत्पादक किसानों को प्रती हेक्टेयर 25,000 रुपए बोनस देने की मांग राज्य सरकार से की गई है. उक्त मांग आगामी दिनों में पूर्ण होकर धान उत्पादक किसानों को इस मांग के अनुसार बोनस उपलब्ध होने की उम्मीद व्यक्त की. जबकि दोनों जिले में युवाओं को रोजगार उपलब्ध होने के लिए जन प्रतिनिधियों ने पहल करना जरूरी है. पिछले सीजन में शुगर फैक्ट्री के तहत कुल 65,000 मेट्रिक टन गन्ने की पिसाई की गई है. इस पिसाई के तहत पिछले सीजन में शुगर फैक्ट्री में सर्वाधिक गन्ना आपूर्ति के लिए शुभम कापगते, प्रमोद कापगते, हषार्ली लंजे, कांचन कापगते, राजरतन डोंगरवार आदि किसानों का सम्मान किया गया. जबकि सर्वाधिक गन्ना परिवहन के लिए विलास क्षीरसागर, पतिराम समरीत, भीमराव लंजे, चित्तरंजन बोरकर व शालीकराम डोंगरवार आदि किसानों का सम्मान किया गया.

विभिन्न उद्योगों के निर्माण पर अनदेखी

पिछले कुछ वर्षों में जिले के जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न उद्योगों के निर्माण पर अनदेखी की है. जिसके कारण जिले भेल फैक्ट्री की भेल पूरी होने का आरोप भी लगाया है. इस दौरान लाखांदूर में पिछले वर्ष से शुरू शुगर फैक्ट्री के कारोबार की प्रशंसा की. इस फैक्ट्री के तहत पिछले सीजन में कुल 65,000 मेट्रिक टन गन्ने की पिसाई की गई है. जिसके तहत गन्ना उत्पादक किसानों को प्रती टन 2.200 एवं 2.300 रुपयों के हिसाब से विहित अवधि में चुकारे अदा होने का दावा किया, हालांकि इस वर्ष इस शुगर फैक्ट्री के पिसाई के क्षमता में वृद्धि कर 600 मेट्रिक टन की जगह 1,200 मेट्रिक टन प्रति दिन पिसाई का लक्ष्य रखा गया है. जिसके लिए किसानों ने बड़ी मात्रा में गन्ना फसल बुआई करना जरूरी होने की अपील भी की.

भंडारा विधानसभा क्षेत्र में कई विकास कार्यों का भूमिपूजन जिले के लोगों की समस्याएं होंगी कम

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : भंडारा पवनी विधानसभा के विविध विकास कार्यों का भूमिपूजन 15 अक्टूबर को सुबह 8 बजे से 2 बजे के बीच होना तय है. विधायक नरेंद्र भोंडेकर के हाथों यह कार्यक्रम सम्पन्न होंगे. वैनगंगा नदी पर पुराने पूल और नए पूल के बीच में नदी किनारे का सौंदर्याकरण, ऑफिसर क्लब के पीछे की जगह में जलपर्यटन कार्य का भूमिपूजन, म्हाडा कॉलोनी में नगर परिषद की नई इंग्लिश मीडियम स्कूल का भूमिपूजन, इसके अलावा शहर में 8 जगह वाय- फाय टॉवर के भूमिपूजन, भंडारा स्मशान घाट का सौंदर्याकरण, पवनी में 4 वाय-फाय टॉवर के निर्माण का भूमिपूजन, पवनी में कुराडा तालाब और बालसमुद्र तालाब के कार्य का भूमिपूजन किया जाएगा. जिससे भंडारा जिले के लोगों के लिए नेटवर्क की समस्याएं कम होगी और कई जगह पर्यटन स्थल देखने को मिलेगा.

दुर्घटना होने पर ही जागता है प्रशासन

ठेकेदार के गैरजिम्मेदाराना कार्य से नागरिकों को परेशानी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : नया बस स्थानक व पेट्रोल पम्प से पतंजलि सड़क की ओर जाने वाले मार्ग के किनारे महीनो बाद नाली का कार्य तो पूरा किया गया लेकिन अब तक उस पर ढक्कन नहीं लगाए जाने से कभी भी दुर्घटना हो सकती है. इस कारण पतंजलि संगठन की ओर से तत्काल नाली पर ढक्कन लगाने एवं गैरजिम्मेदाराना कार्य करने वाले ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है.

इस तरह के कार्य की ओर पतंजलि संगठन की ओर से हमेशा अपना सामाजिक दायित्व का निर्वाह करते हुए ध्यान आकर्षित करते रहता है. लेकिन नप प्रशासन की इस और ध्यान देने में असमर्थता दिखाई देती है. यहा ठेकेदार के साथ मिलीभगत से होने वाले कार्य की ओर ध्यान नहीं देकर लोगों के जानमाल की कोई भी चिंता नहीं है. पतंजलि रोड पर पिछले 6 महीने धीमी गति से कार्य चल रहा है. सड़क पर पड़े मटेरियल से कई लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है. लोग दुर्घटनाग्रस्त हो रहे है. कई लोग नाली के उपर ढक्कन नहीं होने से दुर्घटना ग्रस्त हुए. नाली से दुर्गन्ध आती है. नाली में मटेरियल जाने से पानी की निकासी नहीं हो रही है.

6 दिनों से लापता युवक का कुएं में मिला शव

पारडी गांव के खेत क्षेत्र की घटना

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदुर : पिछले 6 दिनों पूर्व मिर्गी एवं सिरदर्द वं सिरदर्द के बीमारी से परेशान एक युवक परिजनों को बताए बिना घर से लापता हुआ था. इस मामले में परिजनों में लापता युवक को तलाशने के लिए पुलिस थाने में शिकायत भी की थी. जिसके अनुसार कुल 6 दिनों बाद लापता युवक का खेत क्षेत्र के एक सिंचाई कुएं में शव मिलने की घटना सामने आयी हैं. उक्त घटना 13 अक्टूबर को शाम 5 बजे के दौरान तहसील के पारडी खेत क्षेत्र में सामने आयी हैं.

मृतक का नाम पारडी निवासी चिंतामन यशवंत ब्राम्हणकर (34) है. पुलिस सूत्रों के अनुसार घटना के पीड़ित युवक पिछले कुछ वर्षों से मिर्गी एवं सिर दर्द के बीमारी से परेशान थे. हालांकि उक्त बीमारी पर विभिन्न दवाई इलाज कराने के बावजूद बीमारी से राहत नहीं मिलने पर पिछले कुछ दिनों से पीड़ित युवक अधिक परेशान था. इस बीच बीमारी से परेशान युवक पिछले 7 अक्टूबर को परिजनों को बताए बिना घर से लापता हुआ था.

इस दौरान पीड़ित युवक के पिता ने दिघोरी/मो. के पुलिस थाने में तुरंत शिकायत कर लापता युवक को तलाशने की मांग की. उक्त शिकायत के तहत पुलिस ने लापता युवक के तलाश कार्य शुरू करने पर पीड़ित युवक 13 अक्टूबर को पारडी के खेत क्षेत्र के एक किसान के सिंचाई कुएं में मृत अवस्था में नजर आया. इस घटना की जानकारी दिघोरी/मो. पुलिस को मिलते ही तुरंत घटनास्थल पहुंचकर पंचनामा कर शव पोस्ट मार्टम के लिए भेजा गया.

सेंधमारी के आरोपी को 3 साल का कारावास

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

गोंदिया : मुख्य न्यायदंडाधिकारी अभिजित कुलकर्णी ने सेंधमारी के आरोपी कव्वाली मैदान के पास संजय नगर निवासी हसन मुजीब सिद्धीकी (27) को 3 साल का सश्रम कारावास व 3 हजार रु. जुमार्ने की सजा सुनाई. गुरुनानक वार्ड, गोंदिया निवासी फियार्दी दिलीप कुमार कस्तुरचंद जायसवाल की मनोहर चौक के देशी शराब दुकान का शटर खोलकर अज्ञात व्यक्ति ने देशी शराब, चिल्लर, नकदी, सीसीटीवी कैमरा, डीवीआर ऐसे कुल 45 हजार 72 रु. की चोरी की थी. जिसकी शिकायत शहर थाने में की गई थी. इस मामले में संजय नगर निवासी आरोपी हसन मुजीब सिद्धिकी (27) को गिरफ्तार कर 24 हजार 106 रु. का माल जब्त किया गया था.

कार की टक्कर से गाय की हुई मौत, मामला दर्ज

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : तुमसर में तेज रफ्तार कार ने सड़क पर खड़ी गाय को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई. टक्कर के बाद कार अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई. इसमें पेड़ जमीन पर गिर गया. गनीमत यह रही कि कार चालक बाल-बाल बच गया. बताया गया है कि चालक नशे में था.

शनिवार आधी रात को तुमसर-भंडारा राज्य राजमार्ग पर डॉ. गादेवार अस्पताल के सामने जा रही कार क्र. एमएच 31/एफआर-1662 ने फियार्दी श्रीरामनगर तुमसर निवासी अखिलेश वसंतसिंग राजपूत (50) की गाय को टक्कर मारने के बाद कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे खड़े एक पेड़ से टकरा गई.

कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. लेकिन कार चालक श्रीरामनगर तुमसर निवासी मनिष अविनाश निखाडे (22) सौभाग्य से बच गया. फियार्दी को 30 हजार रुपए की क्षति हुई है. तुमसर पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है.

तुमसर में मुख्य सड़कों पर लगता है साप्ताहिक बाजार वाहन चालकों को होती है परेशानी, नियोजन का अभाव

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : शहर में मुख्य सड़क पर साप्ताहिक बाजार भरने के कारण हमेशा ट्रैफिक जाम की समस्या बनी रहती है. इसमें सीमेंटीकरण की सड़क ने आग में घी डालने का काम किया गया है. ट्रैफिक जाम से वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. राहगीरों को भी दिक्कतें होती है. इस ओर बाजार विभाग एवं ट्रैफिक विभाग को ध्यान देना चाहिए, सड़क की ऊंचाई अधिक होने एवं किनारे पर गिट्टी बिछाने से वाहन सड़क के नीचे नहीं जा सकते है. दिन-ब-दिन शहर में वाहनों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है.

नियोजन की कमी के कारण मुख्य सड़क पर रोजाना यातायात जाम का सिलसिला बना रहता है. इससे दुर्घटना होने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है. शहर में देव्हाडी बाईपास रोड को छोड़ दें तो दूसरा कोई बायपास रोड नहीं है. शहर के बावनकर चौक से पुराने एसटी बस स्टैंड चौक एवं देव्हाडी मार्ग की रेल पटरी तक की सड़क पर हमेशा ट्रैफिक जाम रहता है. दुकानों के आगे सड़क पर बाइक का जमावड़ा रहने से अन्य वाहनों को यातायात करने में परेशानी उठानी पड़ती है.

हादसे की बनी रहती है आशंका सड़क पर मुख्य बाजार है. इस मार्ग पर बड़ी दुकानें हैं. दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए कोई सुविधा नहीं है. दुकान के बाहर वाहनों की कतारें देखी जा सकती हैं. अनेक दुकानों का सामान सड़कों पर दिखाई देता है. इससे यातायात करने में लोगों को काफी परेशानी होती है.

यहां का साप्ताहिक बाजार भी सड़क के किनारे ही भरता है. देव्हाडी मार्ग पर सब्जी की दुकानें सड़क पर लगाई जाती हैं. इससे दुर्घटना होने का डर बना रहता है.

बाल यौन उत्पीड़न का आरोपी पुलिस रिमांड में

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शहर के नाबालिग लड़कों के यौन शोषण के मामले में माकडे मोहल्ला, संजय गांधी वार्ड निवासी लियाकत अली अल्ताफ अहमद अली (48 वर्ष) के खिलाफ 9 अक्टूबर को पॉस्को अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था जिसके बाद उसे 11 अक्टूबर को नागपुर जिले के कामठी शहर से अरेस्ट किया गया.

आरोपी की पुलिस रिमान्ड मंगलवार 15 अक्टूबर को खत्म हो रही है. शहर थाना प्रभारी गोकुल सूर्यवंशी ने बताया की आरोपी की मामले में अभी और भी तथ्यों का खुलासा होना बाकी है इसीलिए कोर्ट के सामने पेश करने पर पुलिस रिमांड बढ़ाने के लिए माननीय कोर्ट से गुहार करेगी.

आरोपी शहर के बैरागी वाडा में केले की भट्टी चलाता है और आरोप है की इसी मोहल्ले के मदरसे के बच्चों से अनैतिक रूप से यौन संबंध प्रस्थापित किए जिसका विडिओ वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लियाकत को अरेस्ट किया.

भंडारा-बपेरा-बालाघाट सड़क की हालत खराब

वाहन-चालक परेशान, सड़क के मरम्मत के कार्य शुरू करना जरूरी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : वर्तमान में भंडारा-बपेरा-बालाघाट अंतरराज्यीय सड़क की हालत काफी खस्ता हो चुकी है. इस मार्ग पर जगह-जगह 1-2 फिट गड्ढे होने से अनेक वाहन चालक दुर्घटना ग्रस्त हो रहे है. साथ ही बाइक एवं साइकिल चालकों को भी काफी परेशानी होती है. इस मार्ग के कुछ स्थानों पर 3-4 माह पूर्व दुरुस्ती का कार्य किया गया था. लेकिन वह भी पूरी तरह से उखड़ चुका है. इस मार्ग को महामार्ग तो घोषित किया गया है. लेकिन अब तक किसी तरह की कार्रवाई नहीं किए जाने से स्थानीय स्तर पर भी इसके मरम्मत का कार्य नहीं किया जा रहा है.

महाराष्ट्र की सीमा पर मध्यप्रदेश से आने वाले ट्रकों द्वारा अपनी क्षमता से अधिक माल भर कर यातायात किये जाने से तहसील की सड़कों की हालत खस्ता हो रही हैं. इसके चलते क्षेत्र के बाइक चालक दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं. इसके पूर्व भारी ट्रक एवं अन्य माल वाहक गाड़ियां वावनथड़ी रास्ते आ रही थी. लेकिन बावनथड़ी पुल के दुर्भाग्य के कारण पुल पर से भारी यातायात पर रोक दिया गया है.

इस कारण सभी ट्रक बपेरा की ओर से से आ रहे हैं. इससे बपेरा ब्रिज भी खराब होने की कगार पर है. साथ ही बपेरा से तुमसर की ओर जाने वाली सड़क भी काफी खस्ताहाल होने से इस मार्ग पर दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है.

सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा इस ओर तत्काल ध्यान देकर सड़को पर के गड्ढे बुझाने की कार्रवाई प्रारंभ करना चाहिए अन्यथा किसी दिन अनहोनी घटना को टाला नहीं जा सकता है.

ऑटो से तंबाकू की तस्करी करते पकड़ा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

लाखांदूर : राज्य के सरकार ने सुगंधित तंबाकू के बिक्री पर बंदी करने के बावजूद कुछ व्यक्तियों द्वारा अंतर जिले से ऑटो से सुगंधित तंबाकू की तस्करी होने की गुप्त खबर खाद्यान्न एवं दवाई प्रशासन विभाग को दी गई. जिसके आधार पर उक्त विभाग के अधिकारी कर्मियों ने कार्रवाई करते हुए सुगंधित तंबाकू की तस्करी करते एक ऑटो रंगेहाथ पकड़ा है.

उक्त कार्रवाई 13 अक्टूबर को सुबह 9 बजे के दौरान तहसील के साकोली- लाखांदुर राष्ट्रीय महामार्ग के दिघोरी/मो. गांव परिसर में की गई है. इस कार्रवाई के तहत भंडारा जिले के खाद्यान्न सुरक्षा अधिकारी महेश चहांदे (44) के शिकायत पर दिघोरी/मो. पुलिस ने गोंदिया के गौतम नगर निवासी आशीष कोरे (30), पैकन टोली बजाज वार्ड निवासी दिगंबर चौधरी (30) व गोंदिया जिले के आमगांव निवासी सतीश पाउलझगड़े (30) नामक आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कुल 4.95 लाख रुपयों का माल जब्त किया गया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से सुगंधित तंबाकू के बिक्री पर बंदी की है. इसके बावजूद कुछ व्यक्तियों द्वारा सरेआम सुगंधित तंबाकू के तस्करी की घटनाएं सामने आयी है.

साप्ताहिक आवाज भंडारा हे वृत्तपत्र मालक, प्रकाशक, संपादक शमेशर वाहब खान यांनी राकेश प्रिंटींग प्रेस राजिव गांधी चौक, साई मंदीरसमोर तकीया वार्ड , भंडारा येथे छापून साप्ताहिक आवाज भंडारा कार्यालय, तकीया दर्गाह जवळ, तकीया वार्ड भंडारा येथे प्रकाशित केले. मुख्य संपादक -शमशेर खान मोबाईल नंबर - ७९७२७९५६५५ ईमेल-awazbhandara@gmail.com Owner,Publisher, ShamsherWahab Khan on behalf Of Weekly Awaz Bhandara Printed at Rakesh Printing Press, Rajiv Gandhi Chowk(TakiyaWard) Opp.sai mandir Bhandara-441904 and Published at takiya Dargah near Old Majjid, Takiya ward Bhandara 441904 Editor-Shamsher Khan Mo.7972795655 Email- awazbhandara@gmail.com प्रकाशित समाचारों से संबंधित कोई भी वाद भंडारा न्यायालय अंतर्गत निपटारा किया जाएगा !